नागदा में हर्षोल्लास से मना भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

- श्री राष्ट्रीय परशुराम सेवा युवा वाहिनी ने की महाआरती और सांस्कृतिक आयोजनों में उमड़ा ब्राह्मण समाज

नागदा। भगवान श्री परशुरामजी के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर 19 अप्रैल को श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी, मध्य प्रदेश (नागदा) के तत्वावधान में नगर में भव्य एवं गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ।

सुबह 10.30 बजे महाराणा प्रताप चौक, नया बस स्टैंड पर अतिथियों का स्वागत कर आयोजन स्थल तक अगवानी की गई, बड़ी संख्या में परशुराम सैनिक, ब्राह्मण समाजजन एवं मातृशक्ति उत्साहपूर्वक शामिल हुई। पाल्या रोड स्थित आर्य गार्डन पर मुख्य समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं ब्रह्म बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। उज्जैन से पधारे मां मुक्तेश्वरी धाम के पीठाधीश्वर एवं प्रसिद्ध कथा वाचक शंकर लक्ष्मीनारायण जोशी महाराज ने अपने उद्बोधन में ब्राह्मण समाज को एकता, संगठन एवं शास्त्र-शस्त्र दोनों के ज्ञान के महत्व पर बल दिया तथा समाज को संगठित रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में ब्रह्म बटुकों द्वारा स्वस्तिवाचन, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक कार्यक्रम, स्वागत श्रृंखला एवं महाआरती का आयोजन हुआ। अंत में सहभोज प्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष आचार्य भरत शर्मा (मालाखेड़ा), रतलाम जिला अध्यक्ष पंकज शर्मा, उज्जैन महा मुक्तेश्वरी धाम पीठाधीश्वर कथा वाचक जोशी, संदीप व्यास, हर्षद शर्मा, कमल आर्य, सुमेर सिंह सिसोदिया, सर्व ब्राह्मण महासभा सुंदरलाल जोशी, केसी पुरोहित राजेश तिवारी, राजेश रावल सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाज के वरिष्ठजन मंचासीन रहे। हेमंत त्रिपाठी, जिला संयोजक निलेश मेहता, नगर अध्यक्ष वर्षा मेहता, उज्जैन जिला उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, दशरथ शर्मा, सामर्थ शर्मा सहित महिला मंडल की ओर से अध्यक्ष वर्षा मेहता के नेतृत्व में संगीता शर्मा, ममता शर्मा, प्रीति कौशिक, आराधना त्रिपाठी, अर्पिता व्यास, चंचल शर्मा, सोनू शर्मा एवं रीना शर्मा की सक्रिय सहभागिता रही। संचालन निलेश मेहता एवं हेमंत त्रिपाठी द्वारा किया गया, जबकि आभार राकेश शर्मा ने व्यक्त किया।

दर्शनगिरी तीर्थ पर 14 वर्षों बाद महावीर का महामस्तकाभिषेक

- अहमदाबाद से लाइव जुड़े मुनिश्री प्रणुत सागर
- 500 से अधिक श्रद्धालुओं ने किया अभिषेक

उज्जैन। मक्सी रोड स्थित श्री दिगंबर जैन दर्शनगिरी तीर्थ पर अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर रविवार को भगवान महावीर का भव्य महामस्तकाभिषेक अत्यंत श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

करीब 14 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आयोजित इस मंगलमय अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित हुए। उल्लेखनीय है कि इस तीर्थ की स्थापना समाधिस्थ आचार्य श्री दर्शन सागर जी महाराज की प्रेरणा व आशीर्वाद से हुई थी, किंतु मार्ग अनुकूल न होने के कारण लंबे समय तक तीर्थ का विकास अवरुद्ध रहा। वर्ष 2025 में मुनि श्री प्रणुत सागर जी महाराज के उज्जैन चातुर्मास के दौरान उनके मार्गदर्शन में नए ट्रस्ट का गठन किया गया। इसके बाद ट्रस्ट द्वारा मार्ग क्रय कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराया गया, जिसके फलस्वरूप महामस्तकाभिषेक के रूप में यह प्रथम भव्य आयोजन संभव हो सका।

तीर्थ बनेगा भव्य आस्था केंद्र - मुनिश्री: वर्तमान में अहमदाबाद में विराजमान मुनि श्री प्रणुत सागर जी महाराज कार्यक्रम में लाइव माध्यम से जुड़े। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि दर्शनगिरी तीर्थ का विकास कार्य भले ही कुछ विलंब से प्रारंभ हुआ है, किंतु यह तीर्थ केवल उज्जैन ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत में एक भव्य एवं आकर्षक आस्था केंद्र के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने दर्शनगिरी ट्रस्ट एवं उज्जैन जैन समाज को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उज्जैन उत्तर के विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा उपस्थित रहे। अतिथियों में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी, राष्ट्रीय परामर्शदाता अमित कासलीवाल एवं आशीष जैन सूतवाला, इंदौर के समाजसेवी नरेंद्र वेद, सुसनेर के प्रेमचंद जैन तथा राजमल जैन खूपवाला शामिल रहे।

इन्हें मिला महामस्तकाभिषेक व कलश का सौभाग्य

महामस्तकाभिषेक में प्रथम कलश करने का सौभाग्य अश्विन, रुचि व हर्षिल कासलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। द्वितीय कलश भरत पांड्या परिवार तथा तृतीय कलश अशोक जैन कांट्रेक्टर परिवार द्वारा संपन्न हुआ। शांतिधारा प्रथम विजेंद्र कुमार जैन सुपारीवाला परिवार एवं द्वितीय दिलीप व निखिल विनायका परिवार द्वारा की गई। भगवान को छत्र चढ़ाने का सौभाग्य इंदौर के विमलचंद व सचिन झांझरी अगरबत्ती वाला परिवार को प्राप्त हुआ।

एक नजर में

सरकारी कॉलेज नागदा में व्याख्यान का आयोजन

नागदा। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय नागदा में नारी शक्ति वंदन पखवाड़े के द्वितीय चरण के अंतर्गत 17 एवं 18 अप्रैल को व्याख्यानों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय साक्षरता एवं कौशल विकास विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। 17 अप्रैल को आयोजित व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में आईडीबीआई बैंक के सहायक प्रबंधक गौरव श्रीवास्तव उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीबी रेड्डी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में वासुदेव जटावन एवं डॉ. सुनील प्रसाद मंचासीन रहे। मुख्य अतिथि गौरव श्रीवास्तव का स्वागत प्राचार्य डॉ. पी. भास्कर रेड्डी द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि गौरव श्रीवास्तव ने वित्तीय साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बचत एवं निवेश के विभिन्न साधनों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से सुकन्या समृद्धि योजना, सावधि जमा (एफडी) तथा आवर्ती जमा (आरडी) योजनाओं के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. पीबी रेड्डी ने आय-व्यय के संतुलन एवं धन के समुचित उपयोग पर बल दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. केसी मिश्रा, लक्ष्मी कदम, उर्वी मिश्रा, डॉ. मिति शर्मा, डॉ. सविता मरमट, डॉ. निधि वाजपेयी, अंजू ठाकुर, सचिन तिवारी, आदर्श सिंह डावर, डॉ. कृष्णपाल सिंह नरूका, महेश पड़िहार सहित अन्य प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण संतोष पंवार, यशवंत सिंह गेहलोत उपस्थित रहे। साथ ही आईडीबीआई बैंक के लोकेश मालवीय एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। संचालन सचिन तिवारी ने किया और आभार पुष्पा बरानिया ने माना। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मप्र सरकार स्वामी तेजोमयानंद को 21 अप्रैल को सम्मानित करेगी

इंदौर. चिन्मय मिशन परिवार के लिए गौरवपूर्ण और आनंदमय पल है. 19 अप्रैल को मिशन के पूर्व प्रमुख स्वामी तेजोमयानंदजी इंदौर आ रहे हैं. ओंकारेश्वर में 17 से 21 अप्रैल तक आयोजित आचार्य शंकर प्रकटोत्सव के एकात्म पर्व में चिन्मय मिशन के पूर्व विश्व प्रमुख स्वामी तेजोमयानंदजी का म.प्र सरकार द्वारा 21 अप्रैल को सम्मान किया जा रहा है. आपके साथ चिन्मय मिशन कोयम्बतूर से स्वामिनी विमलानंदाजी, चिन्मय मिशन नासिक से स्वामी अद्वैतानंदजी, झांसी से ब्रह्मचारी राघव चैतन्य, भोपाल से ब्रह्मचारिणी कात्यायिनी चैतन्य जी, मुंबई से सेंट्रल चिन्मय मिशन ट्रस्ट की सीईओ मनीषा खेमलानी भी पधार रहे हैं. इंदौर के धर्मप्रेमियों के लिए स्वामी तेजोमयानंदजी का एक सत्संग 20 अप्रैल को चिन्मय शरणम् आश्रम विजयनगर स्कीम 78 स्लाइस नं 2 में प्रातः 11 बजे से 12.30 बजे तक रखा गया है. तत्पश्चात् दोपहर में स्वामी जी ओंकारेश्वर के लिए प्रस्थान करेंगे.

पालतू जानवरों में बढ़ रही किडनी की बीमारियां

इंदौर. पालतू जानवरों में किडनी से जुड़ी बीमारियां तेजी से सामने आ रही हैं और यह उनकी मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण बन चुकी हैं. समय पर पहचान और नियमित जांच से इस गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है, लेकिन जागरूकता की कमी अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है. प्रदेश में पहली बार हो रही 17वीं एफएसएपीएआई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दौरान ब्राजील से आए नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. मार्सियो बर्नस्टीन ने बताया कि पेट्स में किडनी खराब होने के शुरुआती संकेत स्पष्ट होते हैं, लेकिन अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। ऐसे मामलों में जानवर खाना छोड़ देते हैं, बार-बार यूरिन करते हैं, उल्टियां होने लगती हैं और उनका वजन तेजी से घटता है. उन्होंने बताया कि केवल एक साधारण यूरिन टेस्ट से भी बीमारी की पहचान की जा सकती है. यह तीन दिनी कांफ्रेंस ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में फेडरेशन ऑफ स्मॉल एनिमल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और यूनाइटेड स्मॉल एनिमल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में हो रही है. ऑर्गेनाइजिंग कमिटी के प्रेसिडेंट डॉ एच.एल साहू ने बताया कि इस तरह के आयोजन से पशु चिकित्सा के क्षेत्र में नई तकनीकों और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान संभव होता है। वहीं, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ नरेंद्र चौहान ने कहा कि पेट्स के लिए स्पेशलाइज्ड ट्रीटमेंट की जरूरत लगातार बढ़ रही है.

दुनिया एक परिवार पर केंद्रित अभिव्यक्ति काव्य प्रतियोगिता 28 को

- प्रतियोगिता में शामिल होने की अंतिम तिथि 28 अप्रैल

नागदा। नगर की साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था अभिव्यक्ति विचार मंच तथा अखिल भारतीय साहित्य परिषद् नागदा इकाई द्वारा प्रति वर्ष अनुसार काव्य लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

मंच अध्यक्ष प्रफुल्ल शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष उज्जैन संभाग स्तरीय इस प्रतियोगिता का विषय वसुधैव कुटुंबकम् - सारी दुनिया एक परिवार रहेगा। इच्छुक प्रतिभागी उक्त विषय पर अपनी रचना आगामी 28 अप्रैल सायं 5 बजे तक अधिकतम 16 पंक्तियों में मंच अध्यक्ष वाट्सअप न 90390 32955 तथा साहित्य परिषद् अध्यक्ष अशोक शर्मा मृदुल के वाट्सअप नंबर 9009600960 पर अपने नाम, फोटो, पूरे पते तथा अपने मोबाइल न के साथ भेज सकते है। शुक्ला तथा मृदुल ने बताया कि उक्त विषय वसुधैव कुटुंबकम्-सारी दुनिया एक परिवार पर काव्य लेखन के अलावा अन्य प्रतिभागी अपना 90 सेकंड का वीडियो बना कर उक्त दोनों वाट्सअप न पर 28 अप्रैल तक भेज सकते हैं। वीडियो में प्रतिभागी सबसे पहले अपना नाम, पता तथा अपने मोबाइल न का उल्लेख अनिवार्य रूप से करें। आपने बताया कि विजेताओं को मंच और परिषद् के संयुक्त आयोजन में सम्मानित किया जावेगा।

पंच कुंडीय यज्ञ के साथ मनेगा भगवान चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव

उज्जैन। श्री चित्रगुप्त मंदिर सार्वजनिक न्यास ट्रस्ट द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त जी का प्रकटोत्सव इस वर्ष भी विशेष धूमधाम से मनाया जाएगा। आगामी 23 अप्रैल को गंगा सप्तमी के अवसर पर चित्रगुप्त धाम मंदिर, अंकपात में पंच कुंडीय यज्ञ, हवन और पूजन के साथ भव्य आयोजन किए जाएंगे। इस संबंध में रूपरेखा तय करने के लिए मंदिर परिसर में ट्रस्ट की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय मंत्री अमित श्रीवास्तव ने की। उन्होंने बताया कि गंगा सप्तमी की सुबह पांच पवित्र नदियों के जल और मंत्रोच्चार के साथ भगवान चित्रगुप्त जी का जलाभिषेक किया जाएगा। इसके पश्चात भगवान को नवीन वस्त्र धारण कराकर कायस्थ परिवारों द्वारा घरों से बनाकर लाए गए नैवेद्य का भोग लगाया जाएगा। प्रकटोत्सव के विशेष आयोजन के तहत विशाल पंच कुंडीय यज्ञ होगा। इसमें वैदिक मंत्रोच्चार व विधि-विधान के साथ 101 जोड़े हवन करेंगे और इसके बाद महाआरती की जाएगी। इस अवसर पर बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए रंगोली और चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। बैठक में विशेष रूप से प्रबंध न्यासी दिनेश कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष युधिष्ठिर कुलश्रेष्ठ, गणेश गौड़, सचिव भरत सक्सेना, कोषाध्यक्ष सीए अनुभव प्रधान, सहसचिव गोपालकृष्ण निगम, पल्लवी श्रीवास्तव, कार्यालय प्रभारी ब्रजेश श्रीवास्तव, निखलेश खरे, सुधीर श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव नागेश्वरधाम, अंबिका प्रसाद श्रीवास्तव, उर्मिला श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, पद्मा श्रीवास्तव, मीडिया सह प्रभारी जितेन्द्र श्रीवास्तव, सुनील कुलश्रेष्ठ, अनिल श्रीवास्तव अब्दालपुर, मदन गोपाल श्रीवास्तव, शोभा श्रीवास्तव, शरद कुलश्रेष्ठ, आशुतोष गौड, नवदीप कुलश्रेष्ठ और नरेश श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

भेराजी ने जीवन लोक संस्कृति को किया समर्पित : डॉ. शर्मा

- डॉ. अनुराधा शर्मा और गीता पराग को मिला प्रतिष्ठित भेराजी सम्मान

उज्जैन। भेराजी सम्मान लोक संस्कृति का महत्वपूर्ण मंगल प्रसंग है। ऐसी महान विभूति के स्मरण का जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन, तन-मन-धन सर्वस्व लोक संस्कृति को समर्पित कर दिया। भेराजी ने अपने लोक गायन और संस्कृति से आकाशवाणी को लोकवाणी बना दिया।

भेराजी की आकाशवाणी की यात्रा को देखना भारत के सांस्कृतिक-सामाजिक इतिहास को देखना है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि लोक के बिंदु से जीवन के महासिंधु के दर्शन किए जा सकते हैं। एक अग्रणी लोक संचारक के रूप में उनकी भूमिका अविस्मरणीय है। उन्होंने लोक की वाचिक परंपरा और आधुनिक प्रसारण के बीच की खाई को पाट दिया था। जिनके पास लोक से संवाद करने की सामर्थ्य है, उन सभी महापुरुषों ने लोकभाषा का आश्रय लिया। भेराजी गुरु गोरखनाथ, कबीर, तुलसीदास की परंपरा के लोक साधक थे।

यह विचार मालवा लोक कला एवं संस्कृति संस्थान द्वारा कालिदास अकादमी में आयोजित 39वें भेराजी सम्मान समारोह में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलानुशासक प्रो. शैलेन्द्रकुमार शर्मा ने व्यक्त किए। सारस्वत अतिथि डॉ. पद्मजा रघुवंशी ने कहा कि भेराजी ने कला जगत को बहुत कुछ दिया है और भेराजी सम्मान संस्कृति और कला साधकों का सम्मान है। मुख्य अतिथि सिने जगत के निर्माता निर्देशक अनिल दुबे (मुंबई) ने कहा कि भेराजी का आकाशवाणी का खेती-गृहस्थी कार्यक्रम कृषि और मालवी भाषा के उन्नयन का आयोजन था। प्रेमचंद सृजन पीठ के निदेशक मुकेश जोशी विशेष अतिथि थे। सम्मान प्रसंग के अंतर्गत ख्यात लोक गायिका और लोक संस्कृतिविद् डॉ. अनुराधा शर्मा एवं प्रतिष्ठित लोक गायिका गीता पराग को भेराजी सम्मान से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान पत्र का वाचन डॉ. पिलकेंद्र अरोरा और डॉ. गरिमा दवे ने किया। अतिथियों ने शाल, श्रीफल, सम्मान पत्र और स्मृति चिह्न अर्पित कर डॉ. अनुराधा शर्मा और गीता पराग को सम्मानित किया। स्वागत भाषण संस्था के संरक्षक वरिष्ठ साहित्यकार श्रीराम दवे ने दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत नोलाई कला मंच बड़नगर के लोकगायक योगेन्द्र वर्मा के निर्देशन में शिवशंकर वर्मा, राधेश्याम वर्मा, दशरथ वर्मा, जालम, विजय सोनी, रामप्रसाद गहलोत, ओमप्रकाश चौहान, राखी वर्मा, प्रियंका वर्मा, युवराज वर्मा, प्रियांशु वर्मा, लोकेश परमार एवं दल ने श्रीगणेश वंदना व कानग्वालिया नृत्य की भव्य प्रस्तुतियां दीं। नृत्य कलाकार ऐश्वर्या शर्मा ने कथक शैली में आकर्षक गणेश वंदना प्रस्तुत की।

अतिथियों ने भेराजी, समारोह के संस्थापक कैलाश वर्मा एवं सुमन वर्मा के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। स्वागत मालवा लोक कला एवं संस्कृति संस्थान के अध्यक्ष डॉ. हरीशकुमार सिंह, संरक्षक श्रीराम दवे, सचिव जयेश कैलाश भेराजी, कमलेश वर्मा, देवेन्द्र वर्मा, रानी जयेश भेराजी, सीमा देवेन्द्र, तृप्ति दवे, अजय नागर, रमेश चन्द्र नायक, अंजू वर्मा, प्रशांत द्रोनावत, मोनिका वर्मा आदि ने किया। समारोह में शिशिर उपाध्याय, प्रेमसिंह यादव, नर्मदा सोनी डोलेकर, सन्ध्या पगारे, अनिल कुरेल, संदीप सृजन, राजेश रावल, सुभाष पाठक, शैलेश लेले, शशांक दुबे, प्रकाश देशमुख, शारदा श्री, प्रवीण जोशी, योगेश यादव आदि उपस्थित थे।

गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए उज्जैन में लगेगा पांच दिनी नि:शुल्क आयुर्वेद शिविर

- नाड़ी वैद्य संतोष आनंद जायसवाल करेंगे जड़ी-बूटियों से उपचार, 20 से 24 तारीख तक होगा आयोजन

उज्जैन। भागदौड़ भरी जिंदगी में उत्पन्न होने वाली गंभीर और असाध्य बीमारियों के उपचार के लिए शहर में एक विशेष नि:शुल्क आयुर्वेद शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जाने-माने आयुर्वेद विशेषज्ञ और नाड़ी वैद्य संतोष आनंद जायसवाल 20 से 24 तारीख तक उज्जैन निवासियों के लिए इस शिविर में अपनी सेवाएं देंगे।

यह पांच दिवसीय नि:शुल्क शिविर क्षीरसागर स्थित प्रकाश टॉकीज की गली में मौजूद जायसवाल धर्मशाला में आयोजित किया जा रहा है। वैद्य जायसवाल विगत कई वर्षों से अपनी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के माध्यम से मरीजों का सफल उपचार करते आ रहे हैं। इस शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वैद्य मरीजों के बिना बताए ही नाड़ी देखकर उनका रोग जान लेते हैं और एक ही छत के नीचे समाधान प्रदान करते हैं। वैद्य जायसवाल मां दुर्गा वन औषधि संजीवनी अनुसंधान के माध्यम से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जिसके लिए 9755703571 और 9300644113 पर संपर्क किया जा सकता है।

इन गंभीर बीमारियों का होगा इलाज: शिविर में मुख्य रूप से मिर्गी, साइनस, माइग्रेन, दमा, भगंदर, बवासीर, पथरी, साइटिका, टीबी, थायराइड, लकवा, गठिया, जोड़ों का दर्द, लिवर व किडनी की समस्या, मानसिक रोग, स्नायुशूल, पीलिया, हृदयरोग, हाई बीपी, अल्सर, क्षयरोग, प्रोस्टेट, गैंगरीन, चर्मरोग, मोटापा, संतानहीनता, हाथीपांव, कैंसर और गुप्त रोगों का इलाज किया जाएगा। इसके अलावा शुद्ध शिलाजीत भी उपलब्ध रहेगा।

10 साल से गैंगरीन से पीड़ित शालिनी को मिला 85 प्रतिशत आराम: वैद्य जायसवाल की आयुर्वेदिक चिकित्सा के सकारात्मक और प्रामाणिक परिणाम भी सामने आए हैं। उज्जैन की रहने वाली शालिनी तोरने पिछले 10 साल से गैंगरीन जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थीं। शालिनी के अनुसार साल 2015 में सेल्युलाइटिस के ऑपरेशन के बाद से ही उनके पैर में गहरा घाव हो गया था, जिससे लगातार मवाद और खून आता था। शालिनी ने बताया कि दशहरा मैदान में आयोजित महाकाल वन मेला में वैद्य जायसवाल से दवा लेने के बाद दूसरे महीने में ही उनका घाव पूरी तरह सूख गया है। अब मवाद आना बंद हो गया है और उन्हें लगभग 80 से 85 प्रतिशत तक आराम मिला है।

कई शहरों में दे चुके हैं सेवाएं: उल्लेखनीय है कि वैद्य संतोष आनंद जायसवाल इससे पूर्व भी लगातार महाकाल वन मेला उज्जैन के साथ-साथ वन मेला भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में अपनी सफल सेवाएं दे चुके हैं। उज्जैन में शिविर लगाने से पहले 15 से 19 तारीख तक भोपाल के टीटी नगर न्यू मार्केट स्थित होटल पार्क रंगमहल टॉकीज में उनका नि:शुल्क शिविर आयोजित किया गया। महाकाल की नगरी में आने वाले श्रद्धालुओं और नगरवासियों से अपील की गई है कि वे इस नि:शुल्क आयुर्वेद शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

छत से गिरने पर सुन्न हुआ हाथ, 10 मिनट में मिला आराम

जबलपुर जिले की सिहोरा तहसील के ग्राम देवरी पुरानी निवासी 64 वर्षीय कुंती बाई चड़ार छत से 15 फीट नीचे गिर गई थीं। इसके कारण उनके कंधे में गंभीर चोट आई, सी-6 और सी-7 कार्टिलेज बाहर आ गया और बायां हाथ पूरी तरह सुन्न हो गया था। उनके पुत्र और ग्राम सरपंच रामजी चड़ार तथा राजकुमार चड़ार ने बताया कि जबलपुर के श्रीदेव अस्पताल में 4 दिन भर्ती रहने और एलोपैथिक इलाज के बाद भी दर्द कम नहीं हुआ। वैद्य जायसवाल द्वारा आयुर्वेदिक तेल लगाने के मात्र 10 से 15 मिनट के भीतर कुंती बाई का दर्द गायब हो गया और उन्हें गहरी नींद आ गई। सरपंच रामजी चड़ार ने बताया कि उनके परिचित रणधीर मेहरा का सर्वाइकल और अजमेर सिंह राजपूत की 90 प्रतिशत हार्ट ब्लॉकेज की समस्या भी वैद्य जी के इलाज से ठीक हुई है।

एक नजर भैरवगढ़ केंद्रीय जेल में दो वर्षीय अभिनव व्यक्तित्व परिष्कार शिविर का समापन, बंदियों ने लिया बुराई त्यागने का संकल्प

आत्म परिष्कार मनुष्य जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि : जोशी

उज्जैन। केंद्रीय कारागार भैरवगढ़ में मध्य प्रदेश शासन और अखिल विश्व गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में संचालित दो वर्षीय अभिनव व्यक्तित्व परिष्कार शिविर का पंच कुण्डीय यज्ञ के साथ समापन हुआ।

समापन अवसर पर आयोजित यज्ञ में मुख्य वक्ता श्यामलाल जोशी ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि आत्म परिष्कार ही मनुष्य जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। जब तक मनुष्य दूसरों पर आश्रित रहकर यह सोचता है कि कोई और उसके कष्ट दूर करेगा, तब तक वह बहुत बड़े भ्रम में है। हमारी उलझनें और दुख हमारी अपनी त्रुटियों का ही परिणाम हैं। इन त्रुटियों को त्याग कर हम स्वयं ही अपनी समस्याएं सुलझा सकते हैं।

छह बंदियों ने ली गुरु दीक्षा, यज्ञ में दी आहुतियां: यज्ञ में बड़ी संख्या में बंदियों ने उत्साहपूर्वक गायत्री मंत्र के साथ आहुतियां दीं। इस दौरान छह बंदियों ने गायत्री मंत्र के माध्यम से गुरु दीक्षा ग्रहण कर यज्ञोपवीत धारण किया। पूर्णाहुति पर दक्षिणा स्वरूप सभी बंदियों ने अपनी एक बुराई को त्यागने और अच्छी आदत अपनाने का संकल्प लिया।

दो वर्ष तक प्रतिमाह 10 दिन चला शिविर: अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा पिछले दो वर्षों से प्रतिमाह 10 दिनों के लिए जेल में यह व्यक्तित्व परिष्कार शिविर आयोजित किया जा रहा था। शिविर के माध्यम से बंदियों को तनावमुक्त करने और भविष्य की संभावनाओं से जोड़ने के लिए नियमित रूप से योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया गया। पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित साहित्य से व्यक्तित्व परिष्कार के विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया तथा प्रेरणादायक प्रज्ञा गीतों का संगीतमय अभ्यास भी कराया गया।

बंदियों के स्वभाव में आया सकारात्मक बदलाव: जेल अधीक्षक मनोज साहू ने बताया कि शिविर में भागीदारी करने वाले बंदियों के गुण, कर्म और स्वभाव में स्पष्ट सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। शिविर के नोडल अधिकारी सुरेश गोयल ने गायत्री परिवार के परिजनों के अथक परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि मानवता के प्रति ऐसा समर्पण अद्वितीय है। बीते दो वर्षों में शिविर के सफल संचालन में जेल अधीक्षक मनोज साहू, जसवंत सिंह डाबर, सुरेश गोयल सहित पूरे जेल प्रशासन का सराहनीय सहयोग रहा।

आयोजन में इनका रहा योगदान

यज्ञ का संचालन श्यामलाल जोशी, एमएल रणधवल धवल और मुकुल भावसार द्वारा किया गया। आयोजन में सुभाष गुप्ता, मोहन सिंह हिंगोले, सुशील शर्मा और नरेंद्र सिंह सिकरवार का विशेष सहयोग रहा। पूरे शिविर को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में प्रतिभा शर्मा, साधना शर्मा, मनीषा राठौर, माधुरी सोलंकी, नीशा दुबे, शैलजा रिछारिया, नीति टण्डन, दिनेश पोरवाल, मनीष शर्मा, जगदीश पंवार, नारायण मस्कुले, देवेन्द्र श्रीवास्तव, विष्णु प्रसाद शर्मा, शीरिष टिल्लू, सुनील भट्ट और सतीश गोथरवाल ने अपने समय एवं प्रतिभा का दान दिया।